



मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 27-05-2025

फिरोज़ाबाद(उत्तर प्रदेश) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2025-05-27 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2025-05-28	2025-05-29	2025-05-30	2025-05-31	2025-06-01
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	41.0	40.0	41.0	41.0	39.0
न्यूनतम तापमान(से.)	30.0	30.0	30.0	30.0	28.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	57	60	56	56	69
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	41	43	38	39	42
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	14	14	3	6	4
पवन दिशा (डिग्री)	117	119	172	207	233
क्लाउड कवर (ओक्टा)	3	4	5	5	4
चेतावनी	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं

पूर्वानुमान सारांश:

भारतीय मौसम विभाग से प्राप्त मौसम पूर्वानुमान के अनुसार अगले पांच दिनों में हल्के से मध्यम बादल छाए रहेंगे, लेकिन बारिश की कोई संभावना नहीं है। अधिकतम तापमान 39.0-41.0 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा, जो सामान्य के करीब रहने की संभावना है तथा न्यूनतम तापमान 28.0-30.0 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा, जो सामान्य से 1-2 डिग्री सेल्सियस अधिक रहने की संभावना है। सापेक्ष आर्द्रता की अधिकतम और न्यूनतम सीमा 56-69 और 38-42% के बीच है। हवा की दिशा दक्षिण-पूर्व, दक्षिण-पश्चिम है तथा हवा की गति 4.0-14.0 किमी प्रति घंटे के बीच है, जिसमें सामान्य से 3-4 किमी प्रति घंटे की गति से हवा चलने की संभावना है।

मौसम चेतावनियाँ (अगले दिन के 08:30 IST तक मान्य):

भारतीय मौसम विभाग से प्राप्त मौसम पूर्वानुमान के अनुसार अगले पांच दिनों में कोई चेतावनी नहीं है।

मौसम चेतावनियों के कृषि पर संभावित प्रभाव और संबंधित एग्रोमेट सलाह:

मौसम की स्थिति को देखते हुए किसानों को सलाह दी जाती है कि वे जायद की खड़ी फसलों में सिंचाई का कार्य प्रातःकाल एवं दोपहर के समय न करें। सुबह 11 बजे से शाम 04 बजे के बीच खेतों पर कोई कार्य न करें तथा खड़ी फसलों में हल्की सिंचाई 7-8 दिन के अन्तराल पर सायंकाल के समय करें। पशुओं को सुबह 11 बजे से शाम 04 बजे तक चरने लिए बाहर न छोड़ें। पशुओं को सुबह - शाम नहलायें। दोपहर के वक्त अनावश्यक घर से बाहर न निकले यदि आवश्यक कार्य है तो सिर पर गमछा बाँध कर ही घर से बाहर निकले।

सामान्य सलाहकार:

किसानों को सलाह दी जाती है कि अगले पांच दिनों में हल्के बादल छाए रहने के कारण दिनांक 30 मई, 2025 के बीच गरज-चमक और धूल भरी आंधी के साथ हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। पशुओं को सुबह-शाम नहलायें, छायेदार स्थान पर रखें, 3-4 बार पानी पिलायें। कीटनाशकों, रोगनाशी और खरपतवारनाशी रसायनों के लिए, केवल साफ पानी से उपकरणों को धोने के लिए उपयोग करें और हवा की विपरीत दिशा में खड़े होकर कीटनाशकों, रोगनाशी और खरपतवारनाशकों स्प्रे न करें। छिड़काव शाम को किया जाना चाहिए, यदि संभव हो तो, छिड़काव करने के बाद, खाने से पहले और कपड़े धोने के बाद हाथों को साबुन से अच्छी तरह से धोना चाहिए।

लघु संदेश सलाहकार:

किसानों को सलाह दी जाती है कि जायद की परिपक्व फसलों की कटाई-मड़ाई एवं खरीफ फसलों की बुवाई करने के लिए मौसम अनुकूल है।

फसल विशिष्ट सलाह:

फसल	फसल विशिष्ट सलाह
मक्का	मक्के की फसल भुट्टा बनने/दाना भरने की अवस्था पर चल रही है जो नमी के कमी के प्रति संवेदनशील है। अतः आवश्यकतानुसार हल्की सिंचाई कर उचित नमी बनायें रखें। मक्के की फसल में तना बेधक / प्ररोह मक्खी कीट का प्रकोप दिखाई देने की संभावना है अतः इसके रोकथाम हेतु इमामेक्टिन बेंजोएट 5 % एस जी 200 ग्राम / हेक्टेयर अथवा डाइमथोएट 30% ईसी 1.0 लीटर/हेक्टेयर की दर से 600-700 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।
काला चना	उर्द / मूँग की फसल फली बनने की अवस्था पर चल रही है जो नमी के कमी के प्रति संवेदनशील है। अतः आवश्यकतानुसार हल्की सिंचाई कर उचित नमी बनायें रखें। उर्द की फसल में फली बेधक कीट का प्रकोप दिखाई देने की संभावना है अतः इसके रोकथाम हेतु इमामेक्टिन बेंजोएट 5% एस जी 220 ग्राम / हेक्टेयर या डाइमथोएट 30% ई.सी. 1.0 लीटर/हेक्टेयर की दर से 600 -700 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव आसमान साफ होने पर करें।
मक्का	खरीफ मक्का की बुवाई पलेवा करने के पश्चात ही खेत की तैयारी करें, साथ ही उन्नतशील संस्तुति संकुल प्रजातियां- कंचन, गौरव, स्वेता, आजाद उत्तम एवं संकर प्रजातियां- प्रकाश, वाई -1402, बायो-9681, प्रो -316, डी -9144, दिकाल्ब- 7074, पीएचबी- 8144, दक्कन 115, एम.एम.एच.-133 आदि में से एक किसी एक प्रजाति की बुवाई के लिए खाद एवं बीज की व्यवस्था कर बुवाई करें। मक्के की संकुल प्रजाति की बुवाई के लिए 20 -25 किलोग्राम बीज/हेक्टेयर तथा शंकर प्रजाति 18 -20 किलोग्राम बीज / हेक्टेयर की दर से बुवाई करें।
चावल	धान के खेतों की तैयारी के लिए गहरी जुताई कर मेड़बंदी करें। धान की नर्सरी डालने के 15 दिन पूर्व खेत की हल्की सिंचाई वर्षा न होने की दशा में करें ताकि खेत में निकलने वाले खरपतवार खेत तैयार करते समय नष्ट हो जायें। धान की नर्सरी डालने के लिए खेतों की तैयारी करें, साथ ही उन्नतशील किस्मों नरेंद्र-359 , नरेंद्र धान-2026 , नरेंद्र धान-2064 , नरेंद्र धान-2065 , नरेंद्र धान-3112, सरजू-52, सीता आदि तथा संकर किस्म- प्रो.एग्रो -6444 (2001) एराइज , प्रो.एग्रो -6201 (2001) एराइज, पी.एच.बी.-71, पायनियर -27 पी 31, 27 पी 37, 28 पी 67 , आर आर एक्स -113, कावेरी -468, के.आर.एच -2 , यू.एस.-312 , आर.एच. -312, आर.एच. -1531 आदि एवं सुगंधित धान की किस्म- टाइप-3, पूसा बासमती-1, मालवीय सुगंध-105, मालवीय सुगंध-3-4 , नरेंद्र सुगंध एवं नरेंद्र ऊसर धान-1, नरेंद्र ऊसर धान-2, नरेंद्र ऊसर धान-2008 , सी.एल.आर.-10 आदि में से किसी एक किस्म के बीजों एवं खाद की व्यवस्था करें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
बैंगन	कद्दू, लौकी, तरौई, करैला, खीरा, ककड़ी, तरबूज, खरबूजा आदि तैयार फसलों की तुड़ाई कर बाजार भेजें। सब्जियों की फसलों में फल छेदक / पत्ती छेदक कीट की रोकथाम हेतु नीम आयल 1.5-2.0 मिली/लीटर पानी में घोल बनाकर 3 -4 छिड़काव 8 -10 दिन के अन्तराल पर करें। सब्जियों की खड़ी फसलों में निराई - गुड़ाई करें तथा सिंचाई का कार्य 8-10 दिन के अन्तराल पर शाम के समय करें।
आम	नये बागों की रोपाई के लिए गड्डो की खुदाई करें। आम, अमरूद, नींबू बेर, अंगूर, पपीता व लीची आदि के बागों में सिंचाई का कार्य करें। आम के फलों को गिरने से बचाने के लिए बागों की सिंचाई करें अथवा एल्फा नेफथलीन एसिटिक एसिड के 4.5 एस.एल. के 20 मिली/लीटर प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें। आम के फलों में कोयलिया विकार या आंतरिक सड़न रोग की रोकथाम हेतु बोरेक्स 0.8 प्रतिशत 0.8 ग्राम/लीटर पानी में घोल बनाकर 10 दिन के अन्तराल पर 2 छिड़काव करें।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
भैंस	वर्तमान मौसम को देखते हुए किसानों को सलाह दी जाती है कि वे पशुओं को रात के दौरान खुले में बांधें। पशुओं को दिन के समय छायेदार स्थान पर बांधे या पेड़ के नीचे पशुओं को न बांधें क्योंकि इस सप्ताह हवाओं की गति सामान्य से तेज चलने के कारण पेड़ / पेड़ों की टहनियों के गिरने की सम्भावना अधिक रहती है। पशुओं को खुरपका-मुँहपका रोग की रोकथाम हेतु एफ.एम.डी. वैक्सीन तथा लगड़िया बुखार से बचाव हेतु वी.क्यू. वैक्सीन से टीकाकरण कराये। पशुओं को हरे और सूखे चारे के साथ पर्याप्त मात्रा में अनाज दें। पशुओं को साफ एवं ताजा पानी दिन में ३-४ बार अवश्य पिलायें। गर्भित पशुओं को ढलान वाले स्थान पर न बांधें। पशुओं को पेट में कीड़ा की रोकथाम के लिए कृमिनाशक दवा देने का उचित समय है।

मुर्गी पालन विशिष्ट सलाह:

मुर्गी पालन	मुर्गी पालन विशिष्ट सलाह
मुर्गी	किसानों को सलाह दी जाती है कि वे मुर्गियों को भोजन में पूरक आहार, विटामिन और ऊर्जा खाद्य सामग्री मिलाएं और साथ ही साथ कैल्शियम सामग्री भी मुर्गियों को दें। मुर्गियों के पेट में कीड़ा की रोकथाम (डिवमिर्ग) के लिए दवा दें। मुर्गियों को गर्मी से बचाव हेतु गर्मी हाउस में पर्दे, पंखे और वेंटिलेशन की व्यवस्था करें। मुर्गियों को गर्मी से बचाने के लिए मुर्गी घर में लगे हुए जुट के पर्दों पर पानी के छींटे मारे जिससे ठंडक बनी रहे।

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह:

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी)	अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह
कृषि क्षेत्र	गेहूँ व अन्य फसलों से खाली खेतों की गहरी जुताई डिस्क प्लाउ से करें ताकि जमीन के अन्दर छिपे हुए हानिकारक कीटों के अण्डे व लार्वा धूप में नष्ट हो जायें।

मौसम चेतावनियों के संभावित प्रभाव (सामान्य):

किसानों को सलाह दी जाती है कि अगले पांच दिनों में हल्के बादल छाए रहने के कारण दिनांक 30 मई, 2025 के बीच गरज-चमक और धूल भरी आंधी के साथ हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। पशुओं को सुबह-शाम नहलायें, छायेदार स्थान पर रखें, 3-4 बार पानी पिलायें। कीटनाशकों, रोगनाशी और खरपतवारनाशी रसायनों के लिए, केवल साफ पानी से उपकरणों को धोने के लिए उपयोग करें और हवा की विपरीत दिशा में खड़े होकर कीटनाशकों, रोगनाशी और खरपतवारनाशकों स्प्रे न करें। छिड़काव शाम को किया जाना चाहिए, यदि संभव हो तो, छिड़काव करने के बाद, खाने से पहले और कपड़े धोने के बाद हाथों को साबुन से अच्छी तरह से धोना चाहिए।

प्रभाव आधारित सलाह (सामान्य):

मौसम की स्थिति को देखते हुए किसानों को सलाह दी जाती है कि वे जायद की खड़ी फसलों में सिंचाई का कार्य प्रातःकाल एवं दोपहर के समय न करें। सुबह 11 बजे से शाम 04 बजे के बीच खेतों पर कोई कार्य न करें तथा खड़ी फसलों में हल्की सिंचाई 7-8 दिन के अन्तराल पर सायंकाल के समय करें। पशुओं को सुबह 11 बजे से शाम 04 बजे तक चरने लिए बाहर न छोड़ें। पशुओं को सुबह - शाम नहलायें। दोपहर के वक्त अनावश्यक घर से बाहर न निकले यदि आवश्यक कार्य है तो सिर पर गमछा बाँध कर ही घर से बाहर निकले।

Farmers are advised to download Unified Mausam and "Meghdoot" android application on mobile for Weather forecast and weather based Agromet Advisories and "Damini" android application for forecast of Thunderstorm and lightening.

Mausam MobileApp link: <https://play.google.com/store/apps/details/>

Meghdoot MobileApp link: <https://play.google.com/store/apps/details/>

Damini MobileApp link : <https://play.google.com/store/apps/details>